Smart India Hackathon is a nationwide initiative to provide students with a platform to solve some of the pressing problems we face in our daily lives, and thus inculcate a culture of product innovation and a mindset of problem-solving. The first four editions SIH2017, SIH2018, SIH2019 and SIH2020 proved to be extremely successful in promoting innovation out-of-the-box thinking in young minds, especially engineering students from across India.

Sih 2022 brings the next generation evolution by inclusion of new methodology to inculcate the culture of Start-up and innovation ecosystem across different age groups i.e. Are as follows: -

School students from 6th to 12th class will be able to showcase their talent and generate out-of-the-box open innovation ideas.	Regular Students of HEI's pursuing "Graduate/Post-Graduate/Ph. D" will be able to showcase their talent and generate out-of-the-box open innovation ideas.

The students and faculties of MIT Muzaffarpur participated in Smart India Hackathon 2022. The SPoC/Coordinator of SIH 2022 was Mr. Ashish Kumar, Assistant Professor, IT. Grand Finale was conducted on 25th – 26th August 2022 and 25th – 29th August 2022.

युवा-शिक्षा-अवसर

दैनिक भास्कर, मुजफ्फरपुर, बुधवार, 24 अगस्त, 2022 2

स्मार्ट इंडिया हैकथॉन : वर्ष 2019 और 2020 में राष्ट्रीय स्तर पर विजेता रह चुकी है एमआईटी की टीम, फाइनल का आयोजन 25 से 29 अगस्त तक

फाइनलिस्ट से संवाद करेंगे पीएम मोदी, इसमें एमआईटी की 5 टीमें

एजुकेशन रिपोर्टर | मुजफ्फरपुर

पीएम नरेंद्र मोदी स्मार्ट इंडिया हैकथॉन 2022 के फाइनलिस्ट स्टूडेंट्स से संवाद करेंगे। फाइनल राउंड के लिए एमआईटी से 5 टीमों का चयन किया गया है। हैकथॉन में 4 सॉफ्टवेयर आधारित और 1 हार्डवेयर आधारित आइडिया है। इस वर्ष यह पांचवां संस्करण आयोजित किया जा रहा है। फाइनल का आयोजन 25 से 29 अगस्त तक देश के विभिन्न हिस्सों में होगा। एमआईटी की फाइनलिस्ट टीम उन स्थानों के लिए निकल चुकी है। इसमें 30 स्टूडेंट्स और 8 शिक्षक और 2 मेंटर शामिल हो रहे हैं। स्मार्ट इंडिया पैथॉन के आयोजन का उद्देश्य छात्र-छात्राओं में खोजी प्रवृत्ति को बढ़ावा देते हुए इनोवेशन से समस्याओं का समाधान करने लायक बनाना है। स्मार्ट इंडिया हैकथॉन का आयोजन शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल, एआईसीटीई और अन्य के सहयोग से किया जा रहा है। एमआईटी के प्रो. आशीष ने बताया, एमआईटी की टीम दो बार प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर चैंपियन रह चुकी है। वर्ष 2019 में हार्डवेयर एडिशन में कॉलेज की टीम चैंपियन हुई थी। इसमें स्टूडेंट्स की ओर से लो कॉस्ट वाटर रेजिडेशियल वाटर फ्लो मीटर बनाया गया था। वहीं वर्ष 2020 में टीम ने सॉफ्टवेयर एडिशन में बैट्री मेंटेशन की समस्याओं को दूर कर यह खिताब जीता था। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता का आयोजन वर्ष 2017 से किया जा रहा है। भारत के विभिन्न मंत्रालयों की ओर से दिए गए समस्याओं का सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर आधारित समाधान इंजीनियरिंग कॉलेज के स्टूडेंट्स पेश करते हैं। इस आधार पर एक्सपर्ट उनका मूल्यांकन कर विजेताओं की घोषणा करते हैं।

विनर को मिलेगा एक लाख कैश प्राइज

जानकारी के अनुसार, स्मार्ट इंडिया हैकथॉन-2022 के विजेता को एक लाख रुपए का कैश प्राइज मिलेगा। वहीं उसे सर्टिफिकेट भी प्रदान किया जाएगा। दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम को 75 हजार रुपए और तीसरे स्थान की टीम को 50 हजार रुपए का पुरस्कार दिया जाएगा। फाइनल के लिए पहले एमआईटी से 4 टीम का चयन किया गया था। एक टीम को वेटिंग में रखा गया था, लेकिन पिछले दिनों उसे भी फाइनल का टिकट मिला। बताया गया कि इस संबंध में सभी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

स्मार्ट इंडिया हैकेथॉन में एमआईटी के विद्यार्थियों का पलड़ा भारी

- संस्था की पांच टीमें ले रही हैकेथॉन में हिस्सा
- देश में पांच जगहों पर हो रही है प्रतियोगिता

मुजफ्फरपुर, वरीय संवाददता। इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्रों के लिए देशस्तर पर हो रही स्मार्ट इंडिया हैकेथॉन प्रतियोगिता के पहले दिन एमआईटी के छात्रों का पलड़ा भारी रहा। प्रतियोगिता में जितने भी मॉडल एमआईटी के छात्रों ने बनाए उसे निर्णायक मंडल ने काफी सराहा। प्रतियोगिता देश में पांच जगह हैदराबाद, सोलापुर, गाजियाबद, मैंगलोर और सिक्किम में हो रही है। एमआईटी के छात्रों के मेंटर व आईटी विभाग के प्रो. आशीष कुमार ने बताया कि सभी शहरों में हुई प्रतियोगिताओं में एमआईटी छात्र आगे रहे हैं। कार्यक्रम उद्घाटन गाजियाबाद के गलगोटिया विवि में एआईसीटीई के अध्यक्ष प्रो. अनिल सहस्त्रबुद्धे ने किया। उन्होंने छात्रों को इनोवेशन से इंजीनिरिंग के क्षेत्र में नए आविष्कार करने पर जोर दिया। स्मार्ट इंडिया हैकेथॉन में एमआईटी की पांच टीम शामिल हो रही हैं। एक टीम में छह छात्र शामिल हैं। यानी एमआईटी के 30 छात्र इस प्रतियोगिता में शामिल हो रहे हैं। प्रो. कुमार ने बताया कि स्मार्ट इंडिया हैकेथॉन में एमआईटी के छात्र आटोमेटिक फिश आइडेंटिफिकेशन, मनरेगा इमेज आइडेंटिफिकेशन, मनरेगा इमेज कम्प्रेशन, वाटर सिक्योरिटी और माइनिंग सेफ्टी के मॉडल बनाएंगे। पहले दिन सभी मॉडलों को निर्णायक मंडल ने सरहा और इनमें और नई तकनीक जोड़ने को कहा। बताया कि शुक्रवार को प्रतियोगिता का फाइनल राउंड होगा। इसमें एमआईटी के शिक्षक मोहित कुमार, रवि, नीतीश श्रीवास्तव, उत्पलकांत, अंकित सिंह, अंकित व संतोष कुमार ने सहयोग दिया।

देश स्तर पर हो रही स्मार्ट इंडिया हैकेथॉन प्रतियोगिता में हिस्सा लेती एमआईटी के विद्यार्थियों की टीम। • हिन्दुस्तान

स्त, 2022 www.jagran.com **कैंपस जागरण** **16** प्रखंडों में वर्तमान शैक्षणिक सत्र में 5062 विद्यार्थी कक्षाओं से हो गए हैं दूर

एमआइटी के विद्यार्थियों ने स्मार्ट इंडिया हैकथान के पहले राउंड में बनाया दबदबा

- टीम को दी गई प्राब्लम और तैयार प्रोजेक्ट को विशेषज्ञों ने देखा
- साफ्टवेयर एडिशन का फाइनल परिणाम आज होगा जारी

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर : स्मार्ट इंडिया हैकथान के पहले दिन एमआइटी से विभिन्न शहरों में गई टीम ने अपना दबदबा कायम रखा। बेंगलुरू, कोल्हापुर, सिक्कम, हैदराबाद और गाजियाबाद में एमआइटी की टीम फाइनल राउंड में भाग ले रही है। इसमें गाजियबाद में हार्डवेयर एडिशन और अन्य चार शहरों में साफ्टवेयर एडिशन के लिए टीम का चयन फाइनल राउंड के लिए किया गया है। टीम के साथ गए कालेज के आइटी विभाग के प्राध्यापक प्रो.आशीष ने बताया कि पहले दिन एमआइटी की टीम ने पहले राउंड के बाद अपना दबदबा कायम रखा। उम्मीद है कि टीम इस बार भी सफल रहेगी। उन्होंने बताया कि सुबह में 11 बजे टीम को दिए गए प्राब्लम और तैयार प्रोजेक्ट को विशेषज्ञों ने देखा। साथ ही उसे बेहतर करने के सुझाव दिए। इसके बाद उनके बताए अनुसार टीम के विद्यार्थियों ने कार्य शुरू कर दिया। देर रात तक पहले राउंड का परिणाम आ जाएगा। वहीं शुक्रवार को साफ्टवेयर एडिशन का फाइनल परिणाम जारी होगा। रात्रि आठ बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हैकथान में शामिल हो रहे विद्यार्थियों को संबोधित किया। कहा कि देश के कोने-कोने से आए विद्यार्थियों ने इस प्लेटफार्म के माध्यम से अपने नवाचार से देश-दुनिया को अवगत कराया है। विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग आइडिया देकर इनोवेटर्स देश को आत्मनिर्भर बना रहे हैं। उन्होंने सभी विद्यार्थियों का उत्साहवर्द्धन किया।

हैदराबाद में स्मार्ट इंडिया हैकथान में भाग लेती एमआइटी की टीम • सौ. टीम

अगले माह मूल भवन में शिफ्ट होगा समस्तीपुर इंजीनियरिंग कालेज

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर : एमआइटी परिसर में संचालित गवर्मेंट इंजीनियरिंग कालेज समस्तीपुर अगले महीने अपने मूल भवन में शिफ्ट हो जाएगा। समस्तीपुर के सरायरंजन प्रखंड के नरघोघी में इसके भवन का निर्माण पूरा होने के बाद कालेज प्रशासन ने उसे अपने चार्ज में ले लिया है। वहीं इसमें फर्नीचर व अन्य उपस्करों की आपूर्ति कर दी गई है। बिजली का डेडीकेटेड फीडर लगाने का कार्य शुरू है। वहीं वहा छात्रावास में रहने के लिए विद्यार्थियो से आवेदन भी लिया जा रहा है। छात्रावास का आवंटन वरीयता सह मेधा के आधार पर किया जाएगा। इसके मेंटर संस्थान एमआइटी के प्राचार्य डा.सीबी म्हतो ने बताया कि कालेज को अगले महीने हरहाल में अपने मूल भवन में शिफ्ट करा दिया जाएगा। वहां सभी उपस्कर लगा दिए गए है। बता दे कि गवर्मेंट इंजीनियरिंग कालेज में कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल और सिविल ब्रांच से बीटेक कोर्स संचालित हो रहे है।

समस्तीपुर के सरायरंजन प्रखंड के नरघोघी में भवन का निर्माण पूरा होने के बाद कालेज प्रशासन ने उसे ले लिया है अपने चार्ज में

अगले महीने तक हो जाएगी शिक्षकों की नियुक्ति : गवर्मेंट इंजीनियरिंग कालेज अबतक मुजफ्फरपुर इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी परिसर में ही चल रहा था। एमआइटी मेंटर संस्थान के रूप में इससे जुड़ा था। इस कालेज में एक भी नियमित शिक्षक नियुक्त नहीं थे। ऐसे में अतिथि शिक्षक और एमआइटी के शिक्षक मिलकर वहा के विद्यार्थियो को पढ़ाते थे। प्राचार्य डा.सीबी म्हतो ने बताया कि शिक्षको के नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू हो गई है। अगले महीने तक यहां शिक्षकों की नियुक्ति कर दी जाएगी।

A total of 13 teams participated in internal hackathon for SIH’22. Five teams were selected for Grand Finale, which include four teams for software edition and one team for hardware edition. Out of five teams, two teams (One Software & One Hardware) were the winner in its problem category. The details are as mentions below: -

1. Team “**Rainbow 61**” having 6 students and 2 mentors of the institute participated in the Grand Finale of SIH 2022- Software Edition, held from 25th to 26th August 2022 at Vardhman College of Engineering, Hyderabad. The problem statement titled “**Automated Identification of Fish Species (AutoFiS)**”, problem statement ID “NK826” was given by **Indian National Centre for Ocean Information Services (INCOIS), Ministry of Earth Sciences (MoES)**. 66 teams participated in first round and 5 team participated in grand finale. The team **won the Grand Finale SIH-20 Software Edition** of their category for the said problem statement.

Team Details are as given in the table below.

Student Details			
S. No.	**Name**	**Branch**	**Year**
1.	Anurag (Team Leader)	Electrical Engineering	4
2.	Priya Raj	Electrical Engineering	4
3.	Ankit Kumar	Electrical Engineering	4
4.	Aniket Kumar Sinha	Information Technology	4
5.	Laxmi Kumari	Electronics and Communication Engineering	4

6.	Ramesh Kumar	Electronics and Communication Engineering	2
Mentor Details			
1.	Ashish Kumar	Information Technology	Assistant Professor
2.	Mohit Kumar	Electronics and Communication Engineering	Assistant Professor

SIH 2022 Software Edition Finale Result- https://sih.gov.in/pdf/SIH-SOFTWARE-RESULT.pdf

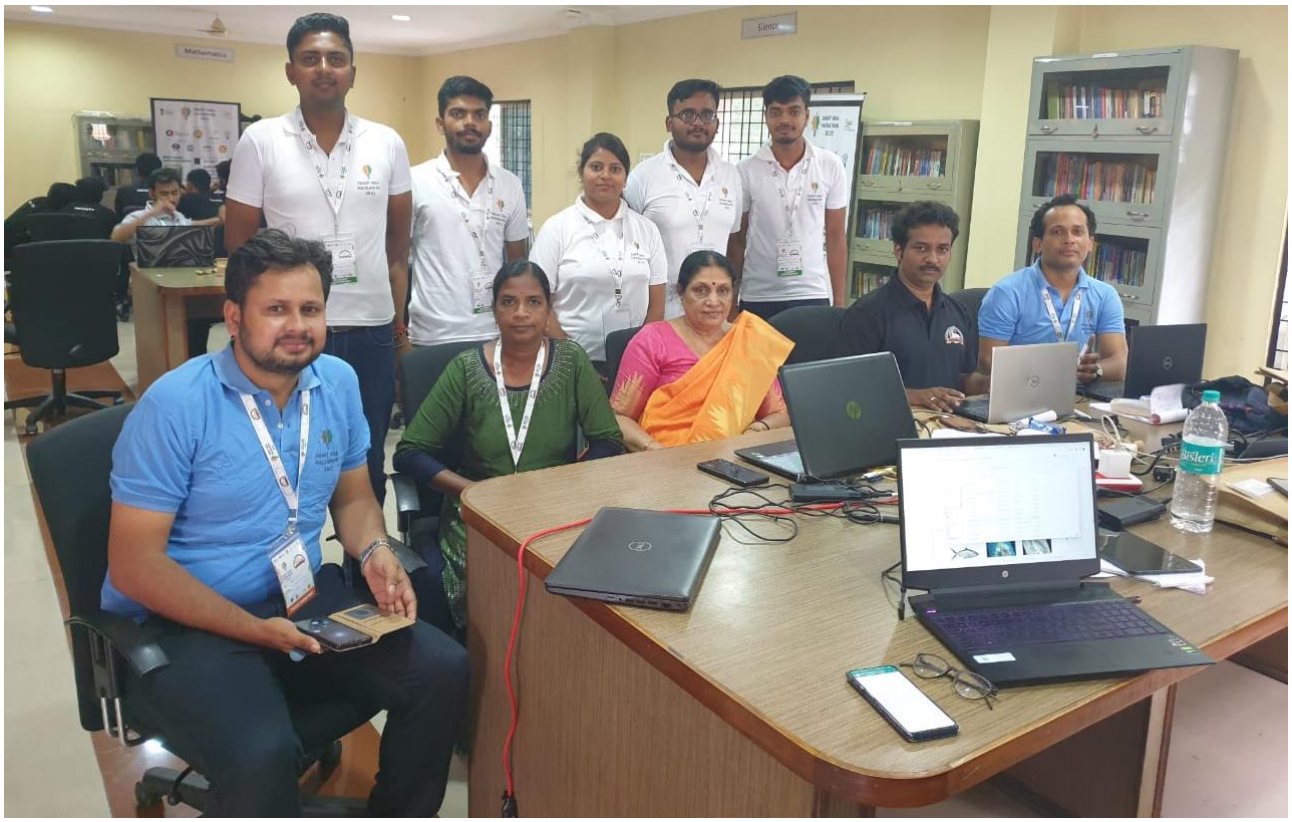

स्मार्ट इंडिया हैकथान में एमआइटी की हैट्रिक

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर : मुजफ्फरपुर इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी (एमआइटी) ने स्मार्ट इंडिया हैकथान में लगातार तीसरी बार विजेता का खिताब अपने नाम किया है। साफ्टवेयर एडिशन में हैदराबाद के वर्द्धमान कालेज आफ इंजीनियरिंग में आयोजित कार्यक्रम में एमआइटी की टीम 'रेनबो-61' ने इंडियन नेशनल सेंटर फार ओशियन इंफार्मेशन सर्विसेस की ओर से दी गई समस्या पर तैयार आटोफिश प्रोजेक्ट को प्रस्तुत कर यह उपलब्धि हासिल की है।

- टीम ने देश की प्रमुख मछलियों की जानकारी देने वाला एप बनाया
- हैदराबाद में हुआ आयोजन, एक लाख रुपये का मिला पुरस्कार

स्मार्ट इंडिया हैकथान की विजेता एमआइटी की टीम। ● सौ. टीम

टीम ने देश की प्रमुख मछलियों के बारे में जानकारी देने वाला एप 36 घंटे में विकसित किया। मछुआरों से लेकर खरीदार तक को मछलियों के बारे में जानकारी देने के लिए बनाए गए इस एप में अभी 50 प्रजातियों को शामिल किया गया है। इस एप को देशभर की मछलियों की अद्यतन जानकारी के साथ पूर्ण विकसित किया जाएगा। विजेता टीम को एक लाख रुपये का चेक भी प्रदान किया गया। टीम में इलेक्ट्रिकल ब्रांच से टीम लीडर अनुराग, आइटी ब्रांच से अनिकेत कुमार सिन्हा, इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्युनिकेशन से लक्ष्मी कुमारी व रमेश कुमार और इलेक्ट्रिकल से अंकित कुमार व प्रिया राज और मेंटर के रूप में टीम के साथ आइटी के प्रो.आशीष कुमार और इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्युनिकेशन के प्रो.मोहित कुमार शामिल हैं। एमआइटी ने इससे पूर्व वर्ष 2019 व 2020 में भी विजेता बनने का गौरव हासिल किया था। वर्ष 2021 में कोरोना संक्रमण के कारण यह आयोजन नहीं हुआ था। कालेज के प्राचार्य डा. सौबी महतो और रजिस्ट्रार प्रो. मणिकांत ने विजेता टीम को बधाई दी है। बता दें कि एमआइटी से साफ्टवेयर एडिशन में चार और हार्डवेयर एडिशन में एक टीम का चयन फाइनल राउंड के लिए हुआ था।

36 घंटे तक मेहनत कर तैयार किया एप : टीम रेनबो ने मछलियों की पहचान बताने वाले इस एप को मशील लर्निंग, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, इमेज प्रोसेसिंग, एंड्राएड, सीएनएन समेत अन्य कई तकनीक का उपयोग कर विकसित किया। टीम लीडर अनुराग ने बताया कि टीम ने लगातार 36 घंटे तक मेहनत की। तीन बार एक-एक घंटे तक कार्य का परीक्षण किया गया।

संबंधित खबर >> पेज 4

***

दैनिक भास्कर मुजफ्फरपुर 27-08-2022

हैदराबाद में आयोजित स्मार्ट इंडिया हैकथॉन 2022 के सॉफ्टवेयर एडिशन में राष्ट्रीय स्तर पर जीती प्रतियोगिता

जीत की हैट्रिक : मछली की पहचान बताने वाला एप बना एमआईटी की टीम स्मार्ट इंडिया हैकथॉन में चैंपियन, नकद पुरस्कार मिलेगा

एजुकेशन रिपोर्टर | मुजफ्फरपुर

एमआईटी (मुजफ्फरपुर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी) की टीम ने लगातार तीसरी बार राष्ट्रीय स्तर पर अपने इनोवेशन साबित किया है। मछली की पहचान बताने वाला एप बनाकर एमआईटी की टीम ने स्मार्ट इंडिया हैकथॉन की चैंपियन बन गई है। हैदराबाद में आयोजित ग्रैंड फिनाले में टीम ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में बाकी टीमों को पछाड़ते हुए तीसरी बार जीत की हैट्रिक पूरी की है। एप का नाम ऑटोमेटिक फिश डिटेक्शन है। विजेता टीम को सर्टिफिकेट के साथ 1 लाख रुपए कैश प्राइज मिलेगा। मेंटर प्रो. आशीष कुमार और ईसी के प्रो. मोहित ने बताया कि एप का इस्तेमाल अब मत्स्य उद्योग को बढ़ावा देने और मछुआरे की मदद करते हुए उत्पादन बढ़ाने में किया जाएगा। टीम की उपलब्धि पर प्राचार्य डॉ सीबी महतो, प्रो. मणिकांत, प्रो. आशीष कुमार, प्रो. रवि, प्रो. विजय कुमार ने बधाई दी है। ग्रैंड फिनाले में एमआईटी से 5 टीम का चयन हुआ था। इसमें 4 सॉफ्टवेयर आधारित और एक हार्डवेयर आधारित प्रतियोगिता में चयनित हुई थी।

ये हैं विजेता टीम में शामिल : अनुराग - टीम लीडर - आईटी, अनिकेत कुमार - आईटी, लक्ष्मी कुमारी - ईसीई, रमेश कुमार - ईसीई, प्रिया राज - इलेक्ट्रिकल, अंकित कुमार - इलेक्ट्रिकल।

मेंटर के साथ एमआईटी की विजेता टीम।

कब-कब चैंपियन बनी है टीम

2019 : हार्डवेयर एडिशन : लो कॉस्ट वाटर रेजिडेंशियल वाटर फ्लो मीटर

2020 : सॉफ्टवेयर एडिशन : बैट्री मेंटेनेंस की समस्या को दूर करने वाला सिस्टम।

मछली की पहचान, कीमत और बेचने के लिए सही वजन बताएगा एप, इससे मत्स्य उद्योग को बढ़ावा भी मिलेगा

एमआईटी की टीम रैनबो 61 ने मछली की पहचान करने वाला मोबाइल एप बनाया है। इसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग का इस्तेमाल करके विकसित किया गया है। मछली का फोटो लेते ही इसकी पूरी जानकारी देने वाला वीडियो यूजर को मिल जाएगा। इसमें मछली का नाम, वजन, बेचने के लिए सही वजन, बाजारों में कीमत, कहां पाया जाता है, जीवनचक्र समेत पूरी जानकारी मिल जाएगी। जानकारी का माध्यम हिंदी और अंग्रेजी दोनों में रखा गया है। ग्रैंड फिनाले का आयोजन हैदराबाद में होने के कारण इसे तेलुगु भाषा में भी रखा गया था। अब मछुआरों को इसका सबसे अधिक फायदा होगा। उन्हें यह पता होगा कि उनकी मछली की बाजार में वाजिब कीमत क्या होगी। दूसरा फायदा यह होगा कि अब तक छोटी-छोटी मछलियों को पकड़कर ही बाजार में बेचा जाता रहा है। एप यह बताएगा कि मछली को पकड़कर बाजार में बेचने के लिए सही वजन कितना होना चाहिए। मछुआरे मछलियों को उनके जीवनचक्र की शुरुआत में ही पकड़कर बाजार में बेचते हैं। इससे उन्हें काफी कम फायदा होता है। दूसरी ओर मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय को भी डाटाबेस तैयार करने में मदद मिलेगी।

2. Team "**Shazam 7**" having 6 students and 2 mentors of the institute participated in the Grand Finale of SIH 2022- Software Edition, held from 25th to 26th August 2022 at KIT's College of Engineering Kolhapur, Maharashtra. The problem statement titled "**Develop a system for high compression and decompression of Photograph and documents without loss of Quality**", problem statement ID "SH1000" was given by **Ministry of Rural Development**. 12 teams participated in first round and 5 team participated in grand finale.

Team Details are as given in the table below.

Student Details			
S. No.	**Name**	**Branch**	**Year**
1.	Aman Ranjan Jha (Team Leader)	Electronics and Communication Engineering	3

2.	Aditya Bhushan	Electronics and Communication Engineering	3
3.	Mani Bhushan Kumar	Electronics and Communication Engineering	3
4.	Sakshi Shrestha	Electronics and Communication Engineering	3
5.	Vaibhavi Bhushan	Information Technology	3
6.	Apurva	Electronics and Communication Engineering	2
Mentor Details			
1.	Ankit Kumar Sinha	Electrical Engineering	Assistant Professor
2.	Ankit Kumar	Mechanical Engineering	Assistant Professor

3. Team "**GALAXIUS 6**" having 6 students and 2 mentors of the institute participated in the Grand Finale of SIH 2022- Software Edition, held from 25th to 26th August 2022 at Sahyadri College of Engineering & Management, Karnataka, Mangalore. The problem statement titled "**Develop a tool to detect, separate and match Individual from a group photo using Face Recognition mechanism.**", problem statement ID "SH999" was given by **Ministry of Rural Development**. 51 teams participated in first round and 5 team participated in grand finale.

Team Details are as given in the table below.

Student Details			
S. No.	**Name**	**Branch**	**Year**
1.	Adarsh Ranjan (Team Leader)	Information Technology	3
2.	Aditi Kumari	Information Technology	3
3.	Chandan Kumar Pathak	Information Technology	3
4.	Piyush Shekhar	Information Technology	3
5.	Sudhanshu Shekhar Mishra	Information Technology	3
6.	Utkarsh	Information Technology	3
Mentor Details			
1.	Santosh Kumar	Mechanical Engineering	Assistant Professor
2.	Nitish Shrivastava	System engineer, TCS	

4. Team "**Rainbow 7**" having 6 students and 2 mentors of the institute participated in the Grand Finale of SIH 2022- Software Edition, held from 25th to 26th August 2022 at Sikkim Manipal Institute of Technology, Sikkim, Rangpo. The problem statement titled "**Linking Smart cameras with alarm systems to avoid triggering a false alarm by birds or animals or vibrations due to wind, loud sounds, etc.**", problem statement ID "LC1073" was given by **Ministry of External Affairs (MEA)**. 15 teams participated in first round and 5 team participated in grand finale.

Team Details are as given in the table below.

Student Details			
S. No.	**Name**	**Branch**	**Year**
1.	Vivek Kumar Singh (Team Leader)	Electronics and Communication Engineering	4
2.	Abhinav Kumar	Electrical Engineering	4
3.	Ashish Kumar Sinha	Electrical Engineering	4
4.	Saummya Singh	Electronics and Communication Engineering	4
5.	Subhash Kumar	Mechanical Engineering	4
6.	Aman Kumar	Electrical Engineering	1
Mentor Details			
1.	Ravi Kumar	Electronics and Communication Engineering	Assistant Professor
2.	Hari Charan Verma	Electrical Engineering	Assistant Professor

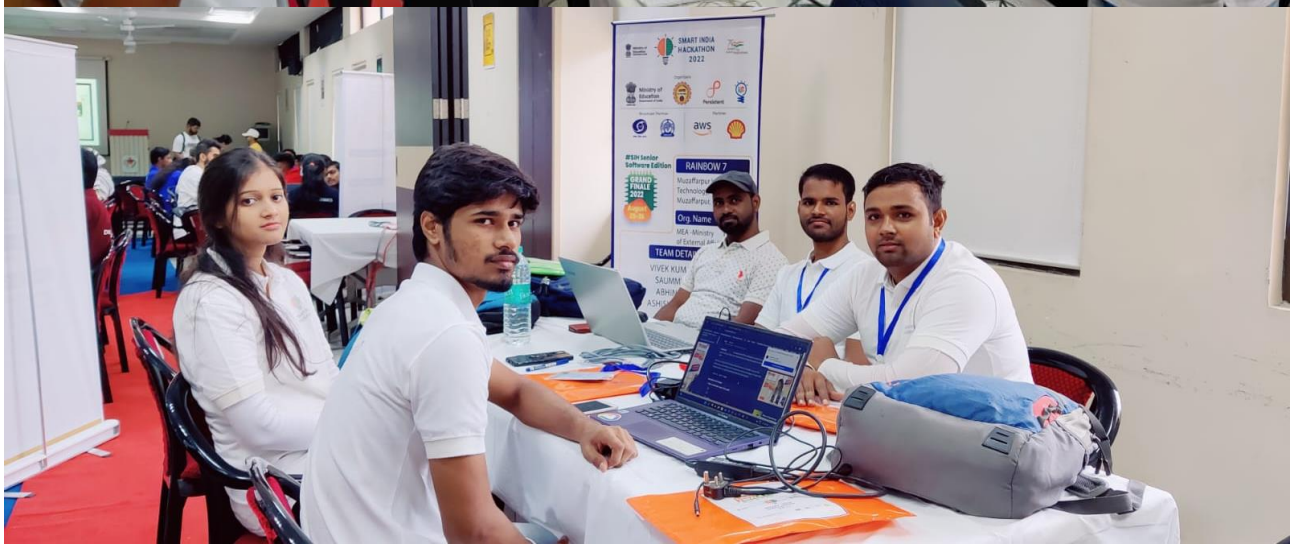

Team "**SRIJAN 2.0**" having 6 students and 2 mentors of the institute participated in the Grand Finale of SIH 2022- Software Edition, held from 25th to 29th August 2022 at KIET Group of Institutions Ghaziabad, Uttar Pradesh, Ghaziabad. The problem statement titled "**Work clothing that has sensors embedded in it to securely transmit data to managers about hazardous conditions and the workers' physical conditions, improving safety overall**", problem statement ID "NC738" was given by **Coal India Limited**. 125 teams participated in first round and 4 team participated in grand finale. The team **won the Grand Finale SIH-20 Software Edition** of their category for the said problem statement.

Team Details are as given in the table below.

Student Details			
S. No.	**Name**	**Branch**	**Year**
1.	Vidyasagar Kumar (Team Leader)	Electronics and Communication Engineering	3
2.	Rohit Kumar	Mechanical Engineering	3
3.	Satyendra Chourasia	Electrical Engineering	3
4.	Prince Maurya	Mechanical Engineering	3
5.	Isha Singh	Electrical Engineering	3
6.	Shubham Kumar	Leather Technology	3
Mentor/SPoC Details			
1.	Ashish Kumar	Information Technology	Assistant Professor
2.	Mohit Kumar	Electronics and Communication Engineering	Assistant Professor
3.	Utpal Kant	Savitri Support and Services Pvt. Ltd.	Technology Manager

SIH 2022 Software Edition Finale Result- https://sih.gov.in/pdf/Results%20for%20SIH%202022%20-%20Hardware%20Edition.pdf

स्मार्ट इंडिया हैकथॉन • अब हार्डवेयर एडिशन में भी एमआईटी की टीम चैंपियन, पहले सॉफ्टवेयर एडिशन में टीम बनी थी विजेता

पहली बार एमआईटी की टीम एक ही वर्ष में दो बार बनी चैंपियन, कोयला खदान में श्रमिकों की जान बचाने वाली डिवाइस बना कर जीती प्रतियोगिता

एजुकेशन रिपोर्टर | मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) की टीम ने स्मार्ट इंडिया हैकथॉन 2022 के हार्डवेयर एडिशन में भी विजेता बन गई है। ऐसा पहला मौका है जब कॉलेज की टीम एक ही वर्ष में दो बार राष्ट्रीय स्तर पर विजेता बनी है। इससे पहले टीम ने सॉफ्टवेयर एडिशन में विजेता बनने का गौरव हासिल किया था। कुल मिलाकर कॉलेज ने राष्ट्रीय स्तर पर यह चौथा खिताब जीता है। गाजियाबाद में आयोजित स्मार्ट इंडिया ग्रैंड फिनाले में टीम ने यह उपलब्धि हासिल की है। कॉलेज की सृजन 2.0 नामक टीम ने स्मार्ट डिवाइस बनाई है। खनन उद्योग से जुड़े मजदूर हो या जमीन की गहराई में काम करने श्रमिक, गहरे नाले की सफाई के लिए उतरे सफाईकर्मी। अब किसी की जान ऑक्सीजन की कमी होने, दम घुटने से लेकर हृदय गति रूकने या आग लगने से नहीं होगी। स्मार्ट डिवाइस किसी भी तरह के जानलेवा खतरों के बारे में पहले ही अलर्ट कर देगा। सबसे खासियत यह स्मार्ट डिवाइस बगैर इंटरनेट काम करता है। इसे बेल्ट और मजदूर के हेलमेट में फिट किया जाएगा। कोल इंडिया की ओर से दिए गए प्रॉब्लम स्टेटमेंट के आधार पर इस डिवाइस को तैयार किया गया था। टीम के मेंटर प्रो. आशीष, प्रो. मोहित, टेक्नोलॉजी मैनेजर उत्पल कांत हैं।

सेंसर आधारित स्मार्ट डिवाइस मजदूर के हेलमेट और बेल्ट में होगी फिट, बगैर इंटरनेट ही होगी संचालित

इन छह स्टूडेंट्स की टीम ने बनाई डिवाइस

विद्यासागर - ईसीई ब्रांच, रोहित कुमार - मेकेनिकल, शुभम कुमार - लेदर टेक्नोलॉजी, प्रिंस मौर्या - मेकेनिकल, ईशा कुमारी - मेकेनिकल, सत्येंद्र चौरसिया - इलेक्ट्रिकल।

हेलमेट - मजदूर का पल्स रेट रीड करेगा। वहीं अगर मजदूर के सिर या इसके आसपास कोई भारी वस्तु जैसे मिट्टी, ईंट, पत्थर या अन्य गिरेगा तो इसकी जानकारी आसानी से हासिल कर लेगा।

बेल्ट में लगा डिवाइस - आग लगना या अन्य किसी वजह से तापमान बढ़ना फ्लेस सेंसर पता करेगा। वहीं कोई दमघोंटू गैस या ऑक्सीजन की मात्रा कम होने पर इसकी जानकारी देगा।

खनन में अत्यधिक जोखिम, इसलिए मजदूरों की ट्रेनिंग को बनेगा मॉडल

खनन उद्योग दुनिया भर में अत्यधिक जोखिम के लिए जाना जाता है। ऐसे में अब तक के शोध से इस बात की जानकारी मिली है कि अधिकांश घटनाएं मानवीय भूल के कारण होती है। भारत 2021 तक दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा कोयला उत्पादक देश है। एक्सपर्ट डॉ आशीष ने बताया कि कोल इंडिया लि. की ओर से बताया गया कि कोयला खनन में जुड़े क्षेत्रों में वीआर (वर्चुअल रिएलिटी) तकनीक के कई फायदे हैं। खनिकों के प्रशिक्षण को क्लाउड आधारित वीआर प्रणाली बननी है। इससे कोयल खनन हादसों से श्रमिकों की जान काफी हद तक बचाई जा सकती है।

हैकथान में एमआइटी फिर विजेता

साफ्टवेयर के बाद हार्डवेयर एडिशन में भी एमआइटी के प्रोजेक्ट को पहला स्थान

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर : मुजफ्फरपुर इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी (एमआइटी) की टीम ने स्मार्ट इंडिया हैकथान में साफ्टवेयर के बाद हार्डवेयर एडिशन में भी बाजी अपने नाम कर ली है। दोनों एडिशनों में विजेता का खिताब जीतकर विद्यार्थियों ने मिसाल कायम की है। गाजियाबाद के केआइईटी ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशंस में एमआइटी की टीम सृजन 2.0 ने हार्डवेयर एडिशन में हिस्सा लिया था।

कोल इंडिया लिमिटेड की ओर से दिए गए प्राब्लम पर विद्यार्थियों ने कोयला खदान में होने वाली दुर्घटना व आपदा से अलर्ट करने वाला डिवाइस विकसित किया। इस प्रोजेक्ट को देशभर में पहला स्थान मिला है। इस ग्रुप में एमआइटी के अलावा देश भर से चार और इंजीनियरिंग कालेजों की टीम ने फाइनल राउंड में जगह बनाई थी। विजेता छात्रों को एक लाख रुपये का चेक और प्रमाणपत्र दिया गया है। वहीं प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने के लिए भी सरकार पहल करेगी। विजेता टीम में विद्यासागर कुमार, रोहित कुमार, शुभम कुमार, ईशा सिंह, प्रिंस मौर्य और सत्येंद्र

- गाजियाबाद के केआइईटी ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशंस में हुई प्रतियोगिता
- कोयला खदानों में अलर्ट करने वाला डिवाइस बनाया

गाजियाबाद में स्मार्ट इंडिया हैकथान की विजेता एमआइटी की टीम • सौ. एमआइटी

चौरसिया शामिल हैं। वहीं टीम के साथ मेंटर के रूप में प्रो.आशीष व प्रो.मोहित के साथ ही इंडस्ट्री से विशेषज्ञ और पूर्ववर्ती छात्र के रूप में उत्पल कांत शामिल थे।

कालेज के प्राचार्य डा.सीबी महतो ने कहा कि यह संस्थान के लिए गर्व की बात है। दोनों एडिशनों में जीत दर्ज कर विद्यार्थियों ने हम सबका मान बढ़ाया है। बता दें कि इससे पूर्व हैदराबाद में गई टीम ने 26 अगस्त को राष्ट्रीय स्तर पर जीत दर्ज की थी।

इस तरह कार्य करता है डिवाइस : कोयला खदानों में जमीन के भीतर करीब 700-800 फीट की गहराई पर कार्य करने के समय अक्सर दुर्घटनाएं होती हैं। इन्हें रोकने के लिए कोल इंडिया लिमिटेड ने प्राब्लम दिया था। एमआइटी के विद्यार्थियों की ओर से जमीन धंसने, आग लगने की स्थिति में तापमान बढ़ने, आक्सीजन की कमी होने की स्थिति में अलर्ट करने वाला डिवाइस विकसित किया है। यह डिवाइस वहां कार्य करने वाले लोगों के हेलमेट और बेल्ट में लगा रहेगा। इसकी खासियत यह है कि यह बिना इंटरनेट के कार्य करता है। सेंसर आधारित इस डिवाइस में एक पैंटिना लगा है। इसकी मदद से बेल्ट और हेलमेट में लगे डिवाइस का डाटा कंट्रोल रूम को लगातार मिलता रहेगा। हेलमेट में लगा डिवाइस मजदूर का पल्स रेट मानीटर करेगा। आपदा या किसी घटना के समय अचानक इसमें बदलाव होने पर यह कंट्रोल रूम को अलर्ट कर देगा। वहीं बेल्ट में लगे डिवाइस की मदद से आग लगने के समय फ्लेम सेंसर की मदद से यह कंट्रोल रूम को अलर्ट करेगा। इस डिवाइस में यह खास बटन भी लगा है। इसकी मदद से आपात स्थिति में घिरने पर मजदूर उस बटन को दबाकर कंट्रोल को सूचना दे सकता है। टीम लीडर विद्यासागर ने बताया कि यह स्मार्ट डिवाइस वायरलेस सेंसर नेटवर्क पर कार्य करता है। इसमें एक प्रोसेसर लगा है और यह सेंसर से जुड़ा है। एंटीना की मदद से फ्रिक्वेंसी निर्धारित की जाती है। उसी पर यह डिवाइस ट्रांसमीटर की सेंसर की मदद से डाटा भेजता है। दूसरे छोड़ पर लगा रिसीवर उसे एकत्रित करता है।